## महत्वपूर्ण एवं खास

### रेलवे ने फिर रद्द किया आधा दर्जन यात्री ट्रेनें

**रायपुर (आरएनएस)।** दुर्ग-उधमपुर, बिलासपुर-टाटानगर समेत कुल 6 ट्रेनों को रद्द किया गया है, और 3 गाडिय़ों के रूट में बदलाव किया गया है। रेलवे प्रशासन ने बताया कि इस समय रेलवे के अलग-अलग जोन में इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट का काम तेज़ी से चल रहा है, जिसके चलते यह कदम उठाया गया है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के साथ-साथ अन्य जोन में भी काम हो रहा है। इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट के कारण उत्तर रेलवे के जम्मूतवी स्टेशन में यार्ड रिमाडलिंग की प्रक्रिया शुरू की जाएगी, इसके साथ ही चक्रधरपुर और रांची रेल मंडल के स्टेशनों में भी ब्लॉक लिया जाएगा।

**रद्द होने वाली ट्रेनें :**

-4 से 15 जनवरी तक: गाड़ी संख्या 18114, बिलासपुर-टाटानगर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

-5 से 16 जनवरी तक: गाड़ी संख्या 18113, टाटानगर-बिलासपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

-8 जनवरी: गाड़ी संख्या 20847, दुर्ग-ऊधमपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

-10 जनवरी: गाड़ी संख्या 20848, ऊधमपुर-दुर्ग एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

-7 जनवरी: गाड़ी संख्या 12549, दुर्ग-ऊधमपुर एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

-9 जनवरी: गाड़ी संख्या 12550, ऊधमपुर-दुर्ग एक्सप्रेस रद्द रहेगी।

### प्रदेश में पड़ रही कड़ाके की ठंड से जनजीवन प्रभावित

**रायपुर (आरएनएस)।** नया साल 2025 का आगमन होते ही कई राज्यों में ठंड बढ़ गई है। कही गुलाबी ठंड का कहर देखने को मिल रहा है, तो कहीं कपकपी ठंड से लोग परेशान हैं। रात तो रात अब दिन में भी लोगों को गर्म कपड़े की जरूरत पड़ रही है। बात करें छत्तीसगढ़ की तो यहां राजधानी रायपुर समेत कई इलाकों में ठंड बढ़ गई है। तापमान में लगातार 3 से 4 डिग्री की गिरावट देखी गई है। जिससे ठंड तेज हो गई है। मौसम विभाग ने कबीरधाम में 10 जनवरी तक शीतलहर चलने की चेतावनी दी है। इस विशेष मौसम में संक्रमण, श्वसन संबंधी समस्याएं और हाइपोथर्मिया जैसी समस्याएं बढ़ जाती है। ऐसे में बेहद सावधानी बरतने की आवश्यकता है। मौसम विभाग का कहना है कि अभी कुछ दिनों तक तापमान में और गिरावट होगी, जिससे ठंड बरकरार रहेगी। जिसकी वजह पहाड़ी राज्यों में हो रही अच्छी बर्फबारी है। आपको बता दें कि 24 घंटे के दौरान छत्तीसगढ़ का बलरामपुर सबसे ठंडा रहा है। यहां न्यूनतम तापमान 6.4 डिग्री तक रिकॉर्ड किया गया। तो वहीं कोंडगांव जिले में न्यूनतम तापमान 7-8 डिग्री दर्ज की गई है। अचानक से बढ़ी ठंड की वजह से अब लोगों को अलाव का सहारा लेना पड़ रहा है।

### एसपी ने 26 पुलिसकर्मियों का किया तबादला

**बिलासपुर-रायपुर (आरएनएस)।** बिलासपुर एसपी रजनेश सिंह ने जिले में प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एक एएसआई, पांच प्रधान आरक्षकों सहित कुल 26 पुलिसकर्मियों का तबादला आदेश जारी किया है। जारी तबादला आदेश के मुताबिक एएसआई अशोक मिश्रा को पुलिस सहायता केंद्र केंदा से पुलिस लाइन स्थानांतरित किया गया है. प्रधान आरक्षक पंकज राय को पुलिस लाइन से कोटा, लक्ष्मण सिंह को पचपेड़ी से पुलिस लाइन और कान्हा अंचल को पुलिस लाइन से पचपेड़ी भेजा गया है. इसके अलावा, प्रवीण पाण्डेय का हिरीं से जूनापारा चौकी और रगेश चंद्र पटनायक का पुलिस नियंत्रण कक्ष से कोनी थाने में तबादला किया गया है. आरक्षक गोविंद शर्मा को पुलिस लाइन से तारबाहर भेजा गया है, जबकि अन्य पुलिसकर्मियों को जिले के विभिन्न थानों में तैनाती दी गई है।

# पहाड़ों, पठारों से कल-कल कर प्रवाहित होते झरनों की सुरीली धुन पर्यटकों को कर रही आकर्षित

- नया साल का अभिवादन करने परिवारों के साथ पहुंचे पर्यटक
- प्राकृतिक खूबसूरती के साथ ऐतिहासिक कहानिया भी कर रही है बयां

**जशपुरनगर। आरएनएस**

छत्तीसगढ़ का शिमला कहा जाने वाला जशपुर जिला प्राकृतिक सौंदर्य, वनसपंदा और अलौकिक हरितिमा से परिपूर्ण है। प्रकृति के गोद में बसे जिला होने से यहां पर पहाड़ों, पठारों और उसमें से प्रवाहित होती झरनों की खूबसूरती ऐसा नजारा पेश करती हैं मानों अमीर खुसरो की उस प्रसिद्ध पंक्ति की तरह अगर धरती पर कहीं स्वर्ग है, तो वह यही है, यही हैं। नया साल या अन्य अवसरों में यह झरना पर्यटकों से गुलजार रहता है। यहां के प्रमुख झरने रानीदाह जलप्रपात, दमेरा, राजपुरी, दनगरी, गुल्लू जलप्रपात में लोग दूर-दूर से घूमने के लिए आते हैं और यहां की खूबसूरत यादों को अपने साथ लेकर जाते हैं। इस साल पर भी नववर्ष के अवसर पर हजारों की संख्या में पर्यटक नववर्ष का अभिवादन करने अपने परिवार और स्वजनों के साथ इस उत्सव को मनाने यहां पहुंचे थे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव की मंशानुरूप प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहरों से भरपूर छत्तीसगढ़ को पर्यटन के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में राज्य सरकार निरंतर कार्य कर रही है। सरकार न केवल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ठोस कदम उठा रही है, बल्कि इस क्षेत्र में योगदान देने वालों को उचित सम्मान और प्रोत्साहन भी देने की घोषणा की है। रानीदाह जल प्रपात जिले के प्रमुख जलप्रपातों में से एक है। जिला मुख्यालय से करीब 17 किलोमीटर की दूरी पर घने जंगलों एवं पहाड़ों के बीच स्थित यह सुंदर मनमोहक झरना और पिकनिक स्पॉट है। वर्षा ऋतु में यहां का नजारा बहुत ही आकर्षक दिखता है। पहाड़ों और पठारो से घिरा रानीदाह गरिमा नदी के किनारे है, जो वहां एक छोटी सी झील बनाती है। रानीदाह जल प्रपात के संबंध में यह ऐतिहासिक किवदंती प्रचलित है कि यहाँ उड़ीसा प्रांत की राजकुमारी सिरोमणि ने अपनी इच्छा के विरुद्ध विवाह के प्रस्ताव से नाराज होकर, झील में कूदकर अपने प्राण दे दी थी, इसी लिए इस स्थान का नाम रानीदाह पड़ा।

दमेरा जशपुर नगर के दक्षिण में 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। पर्यटन की दृष्टि से प्रसिद्ध दमेरा में झरनें, नदी और पहाडिय़ों का अद्भुत नजारा देखने को मिलता है। यहाँ प्रति वर्ष राम नवमी और कार्तिक पूर्णिमा को मेला भी लगता है। राजपुरी जलप्रपात बगीचा ब्लॉक में स्थित है। यह जिला मुख्यालय से लगभग 90 किलोमीटर की दूरी पर है। इस जलप्रपात में लगभग 80 फीट से जल धारा गिरती है। यहाँ भगवान शिव का मंदिर भी है। सावन के महीने में हजारों श्रद्धालु राजपुरी पहुंच कर भगवान शिव का जलाभिषेक करते है और वहां के मनोरम प्राकृतिक दृश्य का आनंद उठाते है। गुल्लू जल प्रपात मनोरा ब्लॉक में स्थित है। जिला मुख्यालय से लगभग 35 किमी दूरी पर स्थित नैसर्गिक सुंदरता से परिपूर्ण यह जलप्रपात चट्टानों के बीच प्रवाहित होते हुए अदभुत नजारा पेश करती है। इसका उद्गम ईब नदी से है।

दनगरी जल प्रपात बगीचा ब्लॉक में भडिय़ा से दनगरी जाने वाले मार्ग पर स्थित है। जिला मुख्यालय से लगभग 90 किमी दूरी पर स्थित यह जलप्रपात जिले का सबसे ऊंचा और मनोरम जल प्रपात है। इसे त्रि-जलप्रपात भी कहा जाता हैं, क्योंकि इस जल प्रपात से पानी तीन चरणों में गिरता है। यह जल प्रपात घने जंगल और घाटियों से घिरा है।

## गोमर्डा अभ्यारण का महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल माड़ोसिल्ली जलप्रपात

**सारंगढ़ बिलाईगढ़**

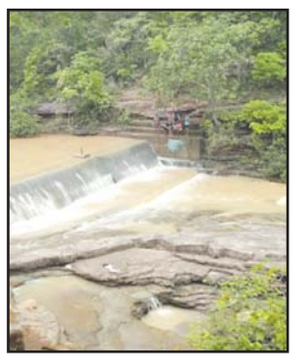

सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले में महानदी के किनारे और गोमर्डा अभ्यारण में माड़ोसिल्ली जलप्रपात महत्वपूर्ण पर्यटन स्थल है , जहां उगते सूरज के समय बिखरती सूरज की किरणे हो या फिर अस्त होने के समय सुनहरी रोशनी और बादलों के बीच झिलमिलाती किरणे। बहते पानी में आधा बाहर तो आधा भीतर की ओर डूबा चट्टान जब बाहर से चमकता हुआ दिखाई देता है तो यह देखने वालों को बरबस ही अपनी ओर खींच लेता है। पानी की धार से तराशे गए इन चट्टानों में सूरज निकलने से लेकर सूरज के डूबने तक चमक ही नहीं होती, नुकीले और धारदार चट्टान कई स्थानों पर किसी को काटने, खरोंच पहुचाने से लेकर उन्हें अपनी गुफानुमा जगहों में कैद करने की क्षमता भी रखती है। बेशक यह सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले का प्रसिद्ध पिकनिक स्पॉट माड़ोसिल्ली जलप्रपात ही है, जो अपनी खूबसूरती तथा आसपास के मनोरम दृश्य के लिए सभी को अपनी ओर आकर्षित करती है।

पर्यटन और सैर सपाटे के इस मौसम में हल्की ठण्ड, चटक धूप के साथ मनोरम दृश्य हमें मजबूर करते हैं कि हम भी मस्ती और मनोरंजन के लिए परिवार तथा दोस्तों के साथ इन जगहों में जाएं। चूल्हा बनाकर आग जलाये, पसंद का खाना बनाये और आसपास के खूबसूरत सा नजारों को देखकर कुछ गाते,गुनगुनाते, नाचते हुए हमेशा के लिए अपनी यादगार तस्वीर सेल्फी से या कैमरों में कैद करें।

यह पिकनिक स्पॉट देखने जाए तो आसपास के मनोरम दृश्य को देखे। शांत वातावरण में कलकल, झर-झर बहती पानी की आवाज तो उनकी तरंगों को सुने, बादलों के साथ नीले आसमानों की पानी में बनती तस्वीरों को देखे, चमकते चट्टानों को हीरे के चमक के रूप में दूर से देखे। पक्षियों की चहचहाहट, कलरव को सुने। दूर तक फैले रेत में नंगे पांव चले। गुनगुनी धूप का आनंद लें और कभी धूप लगने पर पेड़ों की छांव में बैठकर देखे। कुछ देर खुद को यहां चलती हवाओं के साथ महसूस करके देखेंगे तो निःसंदेह प्रकृति का अनुपम दृश्य आपकों भावविभोर कर देंगे। प्रकृति ने नदी व पहाड़, झरने, जंगल का मनोरम दृश्य आपके हृदय में खूबसूरती और सुकून का भाव उत्पन्न करने के लिए दिए हैं, न कि ऐसे जगहों में जाकर जोखिम लेने और जिंदगी गंवा देने के लिए दिए हैं।

**पर्यटन स्थल पर सावधानी बरतें**

माड़ोसिल्ली जैसे जलप्रपात में पानी का भराव, पत्थरो की खतरनाक श्रृंखला है,यहाँ मुझे तैरना आता है यह सोच कर पानी में बिल्कुल भी न उतरे। सैर सपाटे के लिए पहुँचने के पश्चात आसपास के मनोरम दृश्यों को निहारे,कैमरे में इन दृश्यों को कैद कर खुद की भी तस्वीर ले लेकिन पानी में उतर कर नहाने का साहस न करें।

## कवासी लखमा पहुंचे ईडी दफ्तार, अफसर कर रहे पूछताछ

**रायपुर। आरएनएस**

छत्तीसगढ़ के चर्चित शराब घोटाला मामले में पूर्व कांग्रेस सरकार में आबकारी मंत्री रहे कवासी लखमा के साथ उनके बेटे कवासी हरीश और तत्कालीन ओएसडी जयंत देवांगन से प्रवर्तन निदेशालय पूछताछ कर रही है। कवासी लखमा के साथ उनके पुत्र हरीश और तत्कालीन ओएसडी देवांगन केा ईडी ने पूछताछ के लिए बुलाया था। ज्ञात हो कि ईडी ने 28 दिसंबर को कवासी लखमा के साा-साथ उनके पुत्र के निवास में छापा मारा था, जिसमें ईडी ने नकद लेनदेन के सबूत मिलने की बात कही थी, जिसके साा ही संपत्ति की जानकारी देने आज तक का समय निर्धारित किया था। ईडी कार्यालय के लिए रवाना होने के पूर्व कवासी लखमा ने गिरफ्तार किए जाने के सवाल पर कहा था कि जो भी कानून का फैसला होगा मंजूर है। कानून से बाहर नहीं जाऊंगा, इसके साथ ही उन्होंने सरकार पर जानबूझकर फंसाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब तक मेरी सांस रहेगी बस्तर की आवाज उठाऊंगा। कवासी ने कहा कि विधानसभा में मैने बस्तर की आवाज उठाई इसीलिए इस तरह की कार्यवाही हुई है। लगातार चुनाव जीत रहा हूं, भाजपा न तो जिला पंचायत जीत पाई और न ही नगर पंचायत। इसी वजह से मुझे दबाया जा रहा है।

## कालाबाजारी पर कड़ी निगरानी, अवैध धान पर लगातार कार्यवाई

**सारंगढ़ बिलाईगढ़**

छत्तीसगढ़ में धान खरीदी की शुरुआत होने के साथ ही सारंगढ़ बिलाईगढ़ जिले के बरमकेला विकास खण्ड मे कलेक्टर धर्मेश कुमार साहू के निर्देशन एवं एसडीएम प्रखर चंद्राकर के मार्गदर्शन में कृषि उपज मंडी बरमकेला अलर्ट मोड पर है। मंडी बोर्ड जिला सारंगढ़ बिलाईगढ़ के मंडी सचिव चेतन कुमार जयसवाल एवं मंडी उपनिरीक्षक जे.पी.नंदे द्वारा अवैध रुप से भंडारे व्यापारी से आज दिनांक 03.01.2025 को गोपी अग्रवाल ट्रेडर्स बरमकेला के गोदाम में अवैध रूप से रखा हुआ धान 265 कट्टा 106 क्विंटल एवं नीरज अग्रवाल ब्यापारी दर्रा भांठा बरमकेला के गोदाम में अवैध रूप से रखा हुआ धान 120 कट्टा 48 क्विंटल गोदाम में अवैध रूप से भंडारण कर रखे गए धान को जब्त किया है। जिसे मंडी अधिनियम के तहत जप्ती प्रकरण बनाया गया है। वैध दस्तावेज के संग्रहित जब्त कर मंडी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। व्यापारियों में हड़कंप मचा हुआ है। धान की अवैध व्यापार को अंकुश लगाने के लिए कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

## राज्य सरकार ने नवीन नगरीय निकायों के गठन को दी मंजूरी

**रायपुर। आरएनएस**

छत्तीसगढ़ में पिछले साल जनवरी से दिसम्बर के बीच नौ नए नगरीय निकायों का गठन किया गया है। राज्य शासन ने इस दौरान सात नगर पंचायतों का नगर पालिका के रूप में उन्नयन भी किया है। स्थानीय रहवासियों की मांगों पर राज्य शासन ने संवेदनशीलतापूर्वक विचार करते हुए जन-आकांक्षाओं को पूरा करने नए नगरीय निकायों के गठन को मंजूरी दी है। इससे उभरते शहरों के रूप में विकसित हो रहे कस्बों में शहरी सुविधाएं जुटाने के कामों को और गति मिलेगी। राज्य में पिछले वर्ष गठित नगरीय निकायों को मिलाकर अब कुल 192 नगरीय निकाय हो गए हैं। इनमें 14 नगर निगम, 54 नगर पालिका और 124 नगर पंचायत शामिल हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य की कस्बाई आवादी की मांग और उभरते शहरों के अनुरूप अधोसंरचनात्मक विकास को गति देने बीते कैंलेडर वर्ष 2024 में नौ नए नगर पंचायतों का गठन किया गया है। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव की पहल पर स्थानीय जन-आकांक्षाओं को पूर्ण करने तथा उन्हें मूर्त रूप देने नए नगरीय निकायों के गठन तथा ज्यादा आबादी वाले नगर पंचायतों के नगर पालिकाओं में उन्नयन की त्वरित कार्यवाही की गई है। जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों की मांग पर वर्ष-2024 में जनवरी से दिसम्बर के बीच राजनांदगांव जिले के लाल बहादुर नगर और घुमका, मुंगेली के जरहागांव, कोरिया के पटना, बेमेतरा के कुसमी, गरियाबंद के देवभोग, सूरजपुर के शिवनंदनपुर, जांजगीर-चांपा के बम्हनीडीह और बालोद जिले के पलारी को नगर पंचायत बनाया गया है। वहीं जन-आकांक्षाओं को देखते हुए गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के गौरेला नगर पंचायत और पेंड्रा नगर पंचायत का नगर पालिका के रूप में उन्नयन किया गया है। इनके साथ ही मुंगेली जिले के लोरमी नगर पंचायत, रायपुर के अभनपुर नगर पंचायत, बिलासपुर के बोदरी नगर पंचायत, बलौदाबाजार-भाटापारा के सिमगा नगर पंचायत और बलरामपुर-रामानुजगंज के रामानुजगंज को भी नगर पालिका के रूप में उन्नयन किया गया है।

## चोरी की 39.880 एमटीएमएस बिलेट से भरे ट्रक को लावारिस हालत में किया गया बरामद

**रायपुर (आरएनएस)।** थाना गुढिय़ारी क्षेत्रान्तर्गत रिंग रोड नंबर स्थित झाबक पेट्रोल पंप पास अज्ञात आरोपी ट्रक एवं उसमें लोड एम एस बिलेट को किया था चोरी।

ट्रक एवं उसमें लोड एम एस बिलेट को थाना उरला क्षेत्रांतर्गत सतीश ट्रक पार्किंग से लावारिस हालत में किया गया बरामद। जप्त मशरूका की कुल कीमत है लगभग 33,83,658/- रूपये। प्रकरण में अज्ञात आरोपी की, की जा रहीं है लगातार पतासाजी। आरोपी के विरूद्ध थाना गुढिय़ारी में अपराध क्रमांक 02/25 धारा 303(2) बी.एन.एस. का अपराध किया गया है पंजीबद्ध।

प्रार्थी मोह. ईरशाद खान ने थाना गुढिय़ारी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह ट्रक चालक है तथा वर्तमान में 12 चक्का ट्रक क्रमांक सी जी/04/एल के/8526 का चालक है। उक्त ट्रक रेशमा खान के नाम से पंजीकृत है तथा श्री कृष्णा ट्रांस्पोर्ट कंपनी रावांभाठा रायपुर में चलता है। प्रार्थी दिनांक 30.12.2024 को गणपति ईस्पात उरला से एम एस बिलेट वजन 39.880 एम टी को लोड कराकर मेसर्स नारायण इस्पात तेंदुआ रोड हीरापुर के लिए रात्रि 09:10 बजे लगभग रवाना हुआ था। रात्रि 10:35 बजे झाबक पेट्रोल पम्प के पास रोड किनारे लोड किये हुये ट्रक को खडी कर प्रार्थी अपने घर गाजी नगर बीरगांव चला गया था। प्रार्थी सुबह करीब 08:45 बजे झाबक पेट्रोल पम्प के पास पहुंचा तो देखा उक्त ट्रक को जहां खडी किया था, बिलेट माल सहित ट्रक नहीं था, आसपास पता तलाश करने पर कहीं पता नहीं चला। कोई अज्ञात चोर 12 चक्का ट्रक क्रमांक सी जी/04/एल के/8526 एवं उसमें लोड एम एस बिलेट वजन 39.880 एम टी को चोरी कर ले गया, कि प्रार्थी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपी के विरूद्ध थाना गुढिय़ारी में अपराध क्रमांक 02/25 धारा 303(2) बी.एन.एस. का अपराध पंजीबद्ध किया गया।

घटना के संबंध में प्रार्थी सहित आसपास के लोगों से विस्तृत पूछताछ कर अज्ञात आरोपी की पतासाजी करना प्रारंभ किया गया। टीम के सदस्यों द्वारा घटना स्थल व उसके आस-पास लगे सी.सी.टी.व्ही. कैमरों के फुटेजों का अवलोकन करने के साथ ही अज्ञात आरोपी व मशरूका की पतासाजी हेतु मुखबीर लगाये गये। तकनीकी विश्लेषण व अन्य माध्यमों से भी अज्ञात आरोपी व मशरूका की पतासाजी की जा रहीं थी। पतासाजी के दौरान टीम के सदस्यों द्वारा थाना उरला क्षेत्रांतर्गत सतीश ट्रक पार्किंग से चोरी हुये ट्रक क्रमांक सी जी/04/एल के/8526 एवं उसमें लोड एम एस बिलेट वजन 39.880 एम टी कीमती लगभग 33,83,658/- रूपये को बरामद कर जप्त किया गया है।

## झरने से गिरता पानी और हरियाली का दृश्य, नया पर्यटन स्थल तिरिया बना आकर्षण का केंद्र

**जगदलपुर। आरएनएस**

नए साल के आगमन के साथ ही बस्तर जिले का नया पर्यटन स्थल तिरिया पर्यटकों के लिए आकर्षण का मुख्य केंद्र बन गया है। हरे-भरे जंगल, शांत वातावरण और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर यह स्थान लोगों को शहरी जीवन की भाग-दौड़ से दूर शांति और सुकून का अनुभव करा रहा है। तिरिया अपनी प्राकृतिक झरनों, घने जंगलों और पहाडिय़ों के लिए प्रसिद्ध है। यह सैर सपाटे और पिकनिक के लिए एक नया डेस्टिनेशन के रूप में विकसित हो रहा है। नव वर्ष की छुट्टियों में यहां बड़ी संख्या में पर्यटक अपने परिवार और दोस्तों के साथ प्रकृति का आनंद लेने पहुंच रहे हैं। इसे मद्देनजर रखते हुए प्रशासन द्वारा स्थानीय पर्यटन समिति के माध्यम से इस पर्यटन स्थल की विशेष रूप से साफ-सफाई और सुरक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक पहल किया गया है। जिससे पर्यटकों को सहूलियत हो सके। संभागीय मुख्यालय जगदलपुर से करीब 40 किलोमीटर वनांचल में स्थित तिरिया तक दुपहिया या टैक्सी के माध्यम से आसानी के साथ पहुंचा जा सकता है।

स्थानीय पर्यटन समिति के सदस्य लोकूराम बताते हैं कि शासन द्वारा ग्रामसभा को सामुदायिक वन संसाधन पत्र प्रदान किया गया है। जिससे उनकी समिति के युवा यहां पर्यटकों को बम्बू राफ्टिंग और नौका विहार करवा रहे हैं। साथ ही पर्यटकों को स्थानीय व्यंजन परोस कर उन्हें पारम्परिक बस्तरिया स्वाद से वाकिफ करवा रहे हैं। इसके जरिए समिति के युवाओं को स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध हो रहा है और अच्छी आमदनी भी हो रही है। उन्होंने बताया कि तिरिया पर्यटन स्थल की सर्दियों के मौसम में खूबसूरती और भी निखर जाती है। झरनों से गिरता हुआ पानी और हरियाली का दृश्य एक अद्भुत अनुभव प्रदान करता है। वन विभाग ने पर्यटन समिति के युवाओं के जरिए नई सुविधाएं भी जोड़ी हैं, जिनमें बेहतर पार्किंग सुविधा, बम्बू राफ्टिंग, नौका विहार और गाइड सेवाएं शामिल हैं। पर्यटन समिति आगामी दिनों में ट्रैकिंग और कैम्पिंग की सुविधाएं मुहैया कराने की तैयारी कर रही है।

पर्यटकों ने इस स्थल की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह जगह न केवल प्रकृति प्रेमियों के लिए खास है, बल्कि पिकनिक मनाने वाले लोगों का भी पंसदीन्दा स्थल बन चुका है। ट्रैकिंग और कैम्पिंग जैसी गतिविधियों के शुरू होने से अधिकाधिक युवा वर्ग तिरिया में ज्यादा आकर्षित होंगे।

पर्यटन समिति के युवा पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास को ध्यान में रखते हुए तिरिया को विकसित करने की योजना बनाई है। पर्यटन समिति द्वारा यहां पर स्वच्छता एवं साफ-सफाई रखने के लिए पर्यटकों से अपील की है। नव वर्ष पर तिरिया की बढ़ती लोकप्रियता यह साबित करती है कि बस्तर के पर्यटन स्थलों में अपार संभावनाएं हैं, जो आने वाले समय में राज्य के पर्यटन उद्योग को एक नई दिशा दे सकती है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियों की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU